दो साल का बी. एड. अब हिन्दी विश्वविद्यालय में

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा सत्र 2015-16 से दो साल के बी. एड. पाठ्यक्रम को शुरू करने जा रहा है। इस पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने के लिए शिक्षा विभाग को एन. सी. टी. ई. की अनुमति मिल गयी है। शिक्षा विद्यापीठ इसके लिए पूर्ण रूप से तैयार है। शिक्षा विद्यापीठ के मुक्तिबोध भवन में आवश्यक संसाधनों जैसे प्रयोगशालाएं, संसाधन कक्ष, पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष आदि प्रारंभ किए जा चुके हैं।विभागीय पुस्तकालय में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की शोध पत्रिकाएं मंगाई जाती हैं।खेल के साधन भी विभाग में उपलब्ध हैं। इसके साथ ही शिक्षा विभाग में योग्य, प्रतिबद्ध और विशेषज्ञों की नियुक्ति की गयी है।

बी. एड. का पाठ्यक्रम चुनाव आधारित क्रेडिट प्रणाली (सी. बी. सी. एस.) पर बना है। चुनाव आधारित क्रेडिट प्रणाली का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी रूचीनुसार विषय पढ़ने का मौका देना है। बी. एड. के सभी विद्यार्थी जनसंचार, स्त्री अध्ययन, साहित्य, भाषा तकनीकि, नाट्यकला, और समाज कार्य आदि विभागों से अपने पसंद के विषय चुन सकते हैं। इससे उन्हें इन विषयों को समझने का मौका मिलेगा। इस पाठ्यक्रम में स्कूल में अनुभव के लिए भी हर सेमेस्टर में समय दिया जाएगा।

विद्यालयी अनुभव को समृद्ध करने के लिए उन्हें छः माह तक विद्यालयों में कार्य करने का मौका दिया जाएगा। इस दौरान वे रूचीनुसार लघु शोध परियोजना करेंगे। विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए कार्य शालाओं का आयोजन भी किया जाएगा। विभाग में चल रही गतिविधियों जैसे 'निपुण'; 'निसर्ग; 'पहल'; 'पुस्तक विमर्श'; 'आत्म मंथन'; 'अभिव्यक्ति'; 'घुम्मकड़ जिज्ञासा' इत्यादि में सभी विद्यार्थी भाग लेगें और समाज में सहभागिता निभाएंगे। साप्ताहिक शोध वार्ता से जुड़कर विद्यार्थी शिक्षा में नवीनतम शैक्षिक अनुसंधानों के बारे में जान सकेंगे। इन कार्यक्रमों के द्वारा प्रशिक्षु सामुदायिक सहभागिता जैसे प्रकृति अध्ययन, गांवों का भ्रमण, हाशिए के वर्ग के बच्चों के साथ अध्ययन करने का मौका देगा। इस प्रकार से वे इन रचनात्मक गतिविधियों द्वारा 'स्व' को समझेंगे।

अंत में यहा कहा जा सकता है कि हिन्दी विश्वविद्यालय से बी. एड. करने का अनुभव खास होगा जो विद्यार्थियों को न केवल अच्छे शिक्षक बनने के लिए प्रेरित करेगा बल्कि उनके व्यक्तित्व का भी विकास करने में सहायक होगा और उन्हें एक विचारशील व्यक्ति बनाएगा जो एक शिक्षक की विशेषता है।